

ओ रेवा मैया अपने चरणों से लगावे यहाँ लोग निरखे  
कि पाई मैने - चैन नहीं, कि पाई मैने - चैन नहीं ॥२॥

ओ रेवा मैया - - - - -

① भूल उर भुलैयों में पड़ गया हूँ माता

अपना बनाके यहाँ अपना ही खलाता  
ऐसे में अब आकर तू ही समझा ले हूँ तेरे हवाले  
कि पाई मैने - - - - - ओ रेवा मैया - - - - -

② रो रहा हूँ दिल मेरा, मैं किससे कहूँ माता

माता ही तो बेटे की भाग्य विधाता  
दे रहे गवाही मेरे दिल के ये दावे हैं दर्द के नाले  
कि पाई मैने - - - - - ओ रेवा मैया - - - - -

③ धूल श्री चरणों की दे दो मुझे माता

तेरे बिना मैया, अब रह नहीं जाता  
कैसे जिऊँ तेरे बिन पास बुलावे मैं अपना बनावे  
कि पाई मैने - - - - - ओ रेवा मैया - - - - -

④ तेरी दबि दिल में, समझ मेरी माता

आँसू मेरी अँखियों में गीत तेरे गाता  
अब न खलाना कभी मैं हँसके बनावे, गोदी में बिठावे  
कि पाई मैने - - - - - ओ रेवा मैया - - - - -



७) अब मैं तुम्हें छोड़कर के, जाऊँ कहां माता  
तू ही मेरी दाती उर तू ही मेरी दाता  
तू है शक्तिशाली, विपदा मेरी टाले, मैं मुझको बचावे  
कि पाई मैं - - - - - ओ रेवा मैया - - - - -

८) अब तो मिले मैं मुझको आंचल की दाया  
देखी तेरी लीला उर देखी तेरी माया  
सोये भाग "श्री बाबा श्री" अपने जगाले, सब दर्द मिटावे  
कि पाई मैं - - - - - ओ रेवा मैया - - - - -